<u>Marking Scheme</u>

BSEH Model Paper (2024- 25)

CLASS: 9thth **Code: A**

Roll No. | | | | | | | | | | |

हिंदुस्तानी संगीत गायन

(Hindustani Music Vocal)

(Hindi and English Medium)

ACADEMIC / OPEN

(Time allowed: 2½ hours) (Maximum Marks: 20)

खंड (1) वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न

Section (1) Objective type questions

(01 X 05 = 05)

....

प्र01 स्वर के कितने प्रकार हैं? **01**

उ0 (C) तीन

प्र02 भैरव थाट का आश्रित राग का नाम लिखें? **01**

उ0 (A) राग भैरव

प्र03 संगीत रत्नाकर ग्रंथ .... द्वारा लिखा गया। **01**

उ0 पंडित शारंदेव जी द्वारा।

प्र04 निम्नलिखित प्रश्न में दो कथन हैं: अभिकथन **(A)** और कारण **(R)**, प्रश्न के नीचे दिये गए उपयुक्त विकल्प का चयन करते हुए उत्तर दीजिए। **01**

अभिकथन **(A):** तानसेन अकबर के दरबार में नियुक्त थे।

कारण **(R):** तानसेन एक प्रसिद्ध गायक थे।

a. **A** और **R** दोनों सत्य हैं तथा **R**, **A** की सही व्याख्या है।

b. **A** और **R** दोनों सत्य हैं तथा **R**, **A** की सही व्याख्या नहीं है।

c. **A** सत्य है परंतु **R** असत्य हैं।

d. **A** असत्य है परंतु **R** सत्य है।

उ0 **(A)** **A** और **R** दोनों सत्य हैं तथा **R**, **A** की सही व्याख्या है।

प्र05 स्वरों के चढ़ते क्रम को क्या कहते है। **01**

उ0 आरोह।

खंड (2) अति लघुउत्तरात्मक प्रकार के प्रश्न

Section (2) Very short answer type questions

(02 X 02 = 04)

प्र06 पकड़ की परिभाषा लिखें? 02

उ0 स्वरों का वह छोटे से छोटा समूह जिससे किसी राग की पहचान हो जाती है वह पकड़ कहलाती है। (इसके अतिरिक्त किसी एक राग का उदाहरण देने पर पूरे अंक दिये जायेगें)

प्र07 राग भैरव के आरोह और अवरोह के स्वर लिखें। **02**

उ0 आरोह– सा <u>रे</u> ग म प <u>ध</u> नि सां।

अवरोह– सां नि <u>ध</u> प म ग <u>रे</u> सा।।

(अथवा)

(OR)

प्र08 स्थाई की परिभाषा लिखें? **02**

उ0 किसी भी गीत के पहले भाग को स्थाई कहते है। प्रत्येक अंतरे के बाद स्थाई दोबारा गाई जाती है। स्थाई को मुखडा भी कहा जाता है। स्थाई को बार–बार गाया जाता है।

खंड (3) लघुउत्तरात्मक प्रकार के प्रश्न

Section (3) short answer type questions

(03 X 02 = 06)

प्र09 सम, ताली, खाली, विभाग का चिह्न लिखें? **03**

उ0 1. सम का चिहन् **(X)**

2. खाली का चिहन् (0)

3. विभाग का चिहन् (।)

प्र010 संगीत ग्रंथ 'रत्नाकर' का सम्पूर्ण परिचय दे। **03**

उ0 संगीत रत्नाकर एक बहुत ही प्राचीन ग्रंथ है जोकि पंडित शारगदेव जी द्वारा लिखा गया था। जिसमें सात अध्याय है इसलिए इसे सप्ताध्यायी भी कहते है। इसके अतिरिक्त ग्रन्थ में चर्चित अन्य विशेषताओं को लिखने पर पूरे अंक दिये जायेगे।

(अथवा)

(OR)

प्र011 अंतरा की परिभाषा लिखें। **03**

उ0 किसी भी गीत के पहले भाग को स्थाई कहते है तथा दूसरे भाग को अंतरा कहते है। स्थाई प्रत्येक अंतरे के बाद भी गाया जाता है। किसी गीत में अंतरे एक से अधिक हो सकते है तथा प्रत्येक अंतरे के गाने के बाद दुबारा स्थाई को गाया जाता है।

खंड (4) दीर्घ उत्तरात्मक प्रकार के प्रश्न

Section (4) Long answer type questions

(**05 X 01 = 05**)

प्र012 राग यमन का शास्त्रीय परिचय लिखें **05**

उ0 शास्त्रीय परिचय में थाट, गायन समय, जाति, वादी–संवादी, आरोह–अवरोह, पकड आदि के स्वर बताने पर पूरे अंक दिये जायें और छोटे ख्याल की स्वरलिपि में स्थाई व अंतरा लिखने पर पूरे अंक दिये जायें।

थाट : कल्याण

जातिः सम्पूर्ण–सम्पूर्ण

वादीः ग

संवादी : नि

आरोहः सा रे ग, म॑ प ध नि, सां।

अवरोहः सां नि ध प म॑ ग रे सा।

गायन समय : रात्री का प्रथम प्रहर

(अथवा)

(OR)

प्र013 दादरा ताल का एक गुन लिपिबद्ध करें। 05

उ0

चिहन	X	0
मात्राएं	1 2 3	4 5 6
बोल	धा धिं ना	धा तिं ना